विश्व औषधि रिपोर्ट

संदर्भ: यूएनओडीसी वर्ल्ड ड्रग रिपोर्ट 2023 में अवैध दवा बाजारों के निरंतर विस्तार के कारण बढ़ते संकटों की चेतावनी दी गई है।

- 2021 में नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले लोगों का वैश्विक अनुमान: 13.2 मिलियन है , जो पिछले अनुमान से 18% अधिक है।
- 2021 में वैश्विक नशीली दवाओं का उपयोग: 296 मिलियन से अधिक लोगों द्वारा किया जा रहा है , जो पिछले दशक की तुलना में 23% की वृद्धि को दर्शाता है।
- नशीली दवाओं के उपयोग से विकार वाले लोगों की संख्या: 39.5 मिलियन है , जो पिछले 10 वर्षों में 45% की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्शाता है।
- 2021 में नशीली दवाओं से संबंधित विकारों से पीड़ित पांच में से केवल एक व्यक्ति नशीली दवाओं के उपयोग को समाप्त करने के लिए उपचार करवा रहा था।
- अफ्रीका में, नशीली दवाओं से संबंधित विकारों का इलाज करा रहे 70% लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं।
- यह रिपोर्ट अमेज़न बेसिन में पर्यावरण पर मादक पदार्थों की तस्करी और अपराधों के प्रभाव पर प्रकाश डालती है।
- रिपोर्ट के अनुसार सिंथेटिक दवाएं बढ़ रही हैं तथा अवैध दवा बाजारों में प्रभुत्व हासिल कर रही हैं।

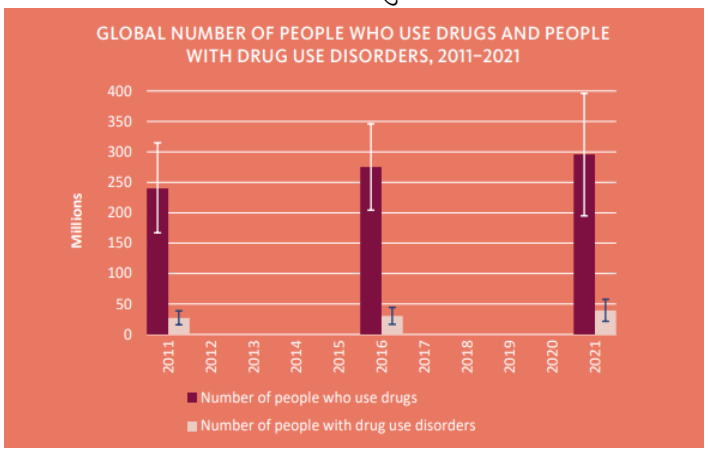

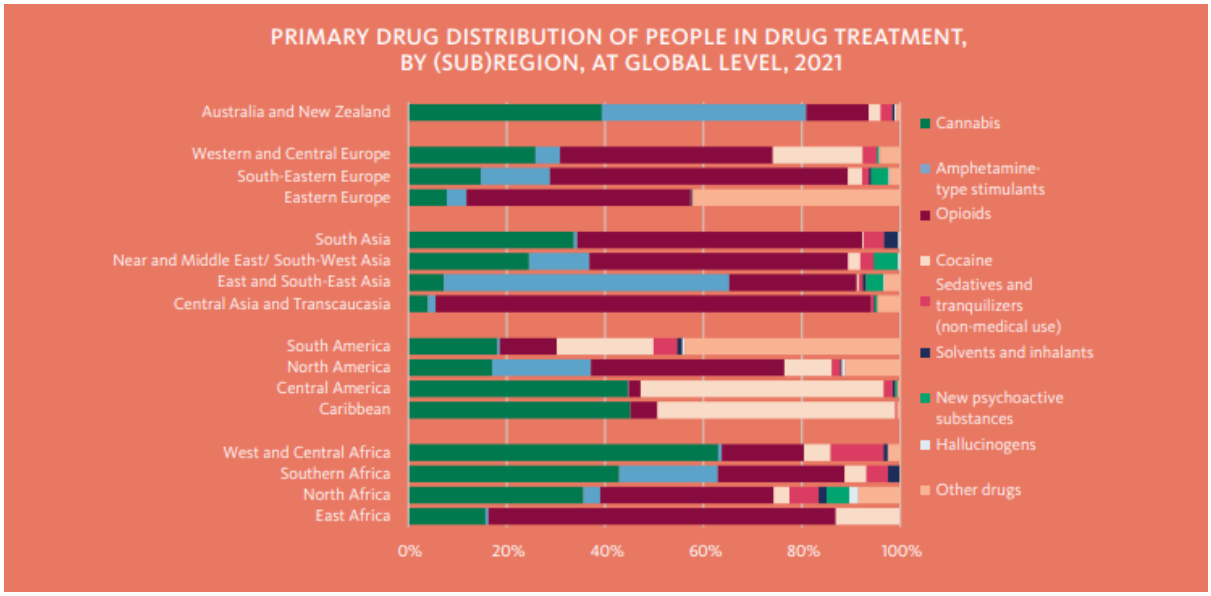

भारत और मादक पदार्थ उत्पादक पड़ोसी देश

ग्लोबल क्रिसेंट

- दक्षिण-पश्चिम एशिया में स्थित गोल्डन क्रिसेंट, पूर्व से पश्चिम तक तीन सन्निहित देशों: पाकिस्तान, अफगानिस्तान और ईरान से बना है।
- इस क्षेत्र के देशों में, ईरान सबसे बड़ा है, अफगानिस्तान एकमात्र भूमि से घिरा देश है, और पाकिस्तान सबसे अधिक भूमि सीमाओं को साझा करता है।
- गोल्डन क्रिसेंट को विश्व स्तर पर अवैध अफ़ीम उत्पादन क्षेत्र के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस क्षेत्र में संभावित अफ़ीम उत्पादन 5,020 मीट्रिक टन होने का अनुमान है।
- अफ़ग़ानिस्तान अवैध अफ़ीम उत्पादन में अग्रणी योगदानकर्ता है, जिसका उत्पादन 4,950 मीट्रिक टन है। पाकिस्तान में अफ़ीम का उत्पादन काफी कम है (2005 में केवल 70 मीट्रिक टन)।
- ईरान गोल्डन क्रिसेंट में एक प्रमुख अफ़ीम उत्पादक देश नहीं है, यह अवैध दवा व्यापार के लिए एक महत्वपूर्ण ट्रांस-शिपमेंट देश के रूप में कार्य करता है।

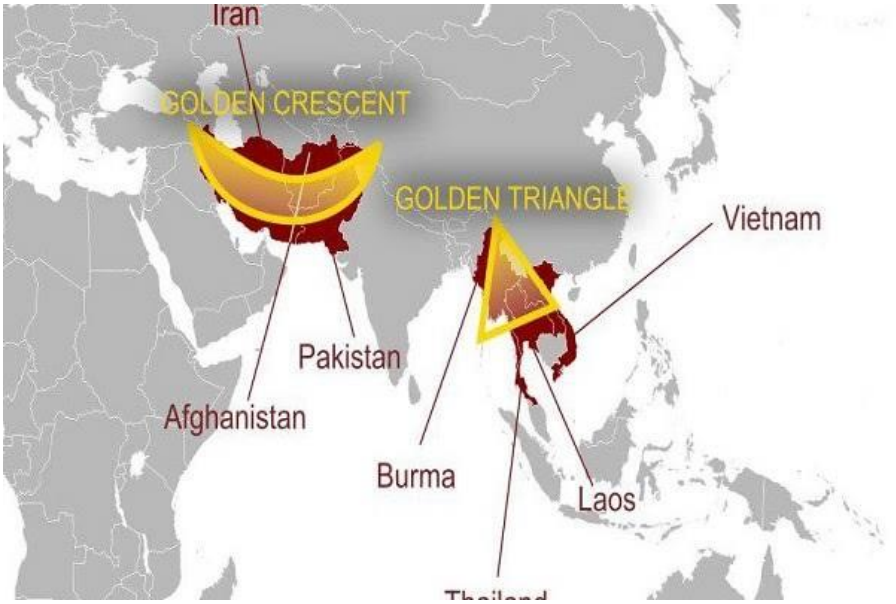

स्वर्ण त्रिभुज (गोल्डन ट्राएंगल)

- स्वर्ण त्रिभुज दक्षिण पूर्व एशिया में स्थित है और इसमें तीन देश शामिल हैं: लाओस, थाईलैंड और म्यांमार।
- म्यांमार स्वर्ण त्रिभुज का सबसे बड़ा देश है और इस क्षेत्र में सबसे अधिक अवैध अफ़ीम उत्पादन होता है, जिसका अनुमान 30,900 मीट्रिक टन है।
- लाओस, स्वर्ण त्रिभुज और दक्षिण पूर्व एशिया में एकमात्र भूमि से घिरा देश, मुख्य रूप से एक ट्रांस-शिपमेंट देश के रूप में कार्य करता है।
- इस क्षेत्र के देशों में थाईलैंड की तटरेखा सबसे बड़ी है।
- स्वर्ण त्रिभुज दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अवैध अफ़ीम उत्पादक क्षेत्र है, जिसका संभावित उत्पादन 5,020 मीट्रिक टन है।
- लाओस में अफ़ीम का उत्पादन 10,000 मीट्रिक टन तक होने का अनुमान है।
- थाईलैंड और म्यांमार मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों में शामिल होने के लिए जाने जाते हैं।

वैगनर विद्रोह

संदर्भ: रूस की वैगनर प्राइवेट मिलिट्री कंपनी के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने 24 जून को राष्ट्रीय रक्षा प्रतिष्ठान के खिलाफ एक क्षणिक विद्रोह को जन्म दिया, जिसके परिणामस्वरूप व्लादिमीर पुतिन के रूस के लिए एक अभूतपूर्व आंतरिक सुरक्षा संकट पैदा हो गया।

- 24 जून को, रूस की वैगनर प्राइवेट मिलिट्री कंपनी के प्रमुख येवगेनी प्रिगोझिन ने शीर्ष रक्षा अधिकारियों को हटाने की मांग करते हुए, रूस की रक्षा प्रतिष्ठान के खिलाफ विद्रोह शुरू कर दिया है।
- प्रिगोझिन ने सशस्त्र लोगों और बख्तरबंद वाहनों के साथ मास्को की ओर "न्याय मार्च" का नेतृत्व किया लेकिन क्रेमलिन पर सीधे हमला करने से परहेज किया।
- इस संकट से रक्षा मंत्रालय और एक शक्तिशाली प्राइवेट मिलिट्री कंपनी के प्रमुख के बीच झगड़े का पता चला, जिससे रूस एक खुले गृह युद्ध के कगार पर आ गया है।
- राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मॉस्को में विरोध को दबाने के विपरीत अराजकता को उजागर करते हुए स्थिति को हल करने के लिए वार्ता का विकल्प चुना।
- प्रिगोझिन ने विद्रोह बंद कर दिया लेकिन कई अनसुलझे मुद्दे छोड़ दिए जो क्रेमलिन को परेशान कर सकते थे।

- संकट की शुरुआत तब हुई जब प्रिगोझिन ने रक्षा नेतृत्व पर वैगनर पर हमले का आदेश देने और रोस्तोव-ऑन-डॉन में रूस के दक्षिणी सैन्य जिला मुख्यालय पर नियंत्रण करने का आरोप लगाया।
- वैगनर बलों ने मॉस्को की ओर "न्याय मार्च" शुरू किया, सड़कों और पुलों को नुकसान पहुंचाया और हेलीकॉप्टरों और एक कमांड सेंटर विमान को मार गिराया, जिसके परिणामस्वरूप कई लोग हताहत हुए।
- अंततः बेलारूस सरकार द्वारा काफिले को रोक कर वापस लौटा दिया गया, प्रिगोझिन ने एक वीडियो बयान में विद्रोह के अंत की पुष्टि की है।

वैगनर ग्रुप

- वैगनर ग्रुप को आधिकारिक तौर पर पीएमसी वैगनर के रूप में जाना जाता है। ये एक रुसी अर्धसैनिक संगठन है जिस पर देश का कोई भी कानून और नियम लागू नहीं होता।
- इसे देश की एक प्राइवेट आर्मी के तौर पर देख सकते हैं। इस संगठन को वर्ष 2014 में यूक्रेन से संघर्ष के दौरान पहचान मिली। उस दौर में इसे एक खुफिया सैनिक समूह के रूप में जाना जाता था।
- यह ग्रुप रूसी सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करता है। स्थिति विकट हो तो पुतिन के आदेश के तहत हर मोर्चे पर लड़ने को तैयार रहता है। वैगनर ग्रुप दुनिया भर में रूसी सरकार के अभियानों में गुप्त रूप से लड़ाई लड़ने वालों में वैगनर ग्रुप सबसे आगे है।
- वर्ष 2017 में ब्लूमबर्ग ने एक रिपोर्ट छापी थी जिसमें कहा गया था कि इस ग्रुप में करीब 6,000 लड़ाके हैं। इनकी मौजूदगी यूरोप से लेकर लीबिया, सीरिया, मोजाम्बिक, माली, सूडान और मध्य अफ्रीकी गणराज्य तक है।
- कहा यह भी जाता है कि अक्टूबर 2015 से लेकर 2018 तक वैगनर ग्रुप ने सीरिया में रूसी सेना और बशर-अल-असद की सरकार के साथ मिलकर लड़ाई लड़ी थी।

दुनिया भर में ऐसे अन्य भाड़े के लड़ाकू समूह

- **G4S**: इराक में काम कर रहा है
- **यूनिटी रिसोर्सेज ग्रुप:** मध्य पूर्व, अफ्रीका, अमेरिका और एशिया में कार्यरत

- **एरिनिस:** इराक की तेल संपत्तियों की रक्षा करें
- **एशिया सुरक्षा समूह**: अफगानिस्तान
- **डायनकॉर्प:** अफ्रीका, पूर्वी यूरोप और लैटिन अमेरिका
- **ट्रिपल कैनोपी:** इराक में परिचालन
- **एजिस डिफेंस सर्विसेज:** संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और तेल कंपनियों के साथ काम करती है

NEWS IN BETWEEN THE LINES

ए एन झा हिरण पार्क

सन्दर्भ: हाल ही में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) ने दिल्ली के हौज खास स्थित हिरण पार्क की 'मिनी चिड़ियाघर' के रूप में मान्यता रद्द कर दी है और अत्यधिक भीड़-भाड़ होने के कारण इसे बंद करने का आदेश दिया है।

ए एन झा हिरण पार्क:

ए एन झा हिरण पार्क, जिसे आदित्य नाथ झा डियर पार्क के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राकृतिक पार्क है। इसका नाम प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता आदित्य नाथ झा के नाम पर रखा गया है। इसमें बत्तख पार्क, पिकनिक स्पॉट और खरगोश बाड़ों सहित विभिन्न खंड शामिल हैं, जो आगंतुकों के लिए विविध अनुभवों के केंद्र के रूप में कार्य करते हैं।

वनस्पति और जीव:

हिरण पार्क, खरगोश और बत्तख सहित विभिन्न वनस्पतियों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों का घर है। यह शहरी परिवेश के बीच इन जानवरों के लिए एक प्राकृतिक आवास प्रदान करता है, जिससे यह शहर के बीच में एक आकर्षक और हरा-भरा प्रकृति सौन्दर्य वाले स्थान की भूमिका निभाता है।

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए):

भूमिका और उद्देश्य:

केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण (सीजेडए) भारत में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के तहत स्थापित एक वैधानिक निकाय है। यह देश में चिड़ियाघरों के प्रबंधन और निगरानी के लिए शीर्ष नियामक प्राधिकरण के रूप में कार्य करता है।

नियामक प्राधिकरण:

CZA भारत में चिड़ियाघरों की मान्यता, निरीक्षण और विनियमन के लिए जिम्मेदार है। यह चिड़ियाघरों में जानवरों के आवास, रखरखाव और कल्याण के लिए मानक दिशा-निर्देश तय करता है।

मान्यता और लाइसेंसिंग:

सीजेडए उन चिड़ियाघरों को मान्यता देता है जो निर्धारित मानदंडों और मानकों को पूरा करते हैं। चिड़ियाघरों को भारत में कानूनी रूप से संचालित करने के लिए सीजेडए से मान्यता प्राप्त करने की आवश्यकता है और उन्हें अपनी मान्यता स्थिति बनाए रखने के लिए निर्धारित आवश्यकताओं को पूरा करना होगा।

नंदी पोर्टल

सन्दर्भ: हाल ही में, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने भारत में पशु चिकित्सा उत्पादों के लिए नियामक अनुमोदन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए NANDI (नई दवा और टीकाकरण प्रणाली के लिए एनओसी अनुमोदन) पोर्टल लॉन्च किया है।

नंदी पोर्टल:

NANDI (नई दवा और टीकाकरण प्रणाली के लिए एनओसी अनुमोदन) पोर्टल भारत में पशु चिकित्सा उत्पादों के लिए नियामक प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने और सुव्यवस्थित करने में एक महत्वपूर्ण कदम का प्रतिनिधित्व करता है। यह पशुओं की भलाई में योगदान देगा, पशु चिकित्सा दवाओं और टीकों की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाएगा और पशुधन उद्योग के विकास को बढ़ावा देगा।

उद्देश्य:

केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के समन्वय से विकसित नंदी पोर्टल का उद्देश्य सरकारी विभागों, संस्थानों और उद्योग के बीच त्वरित और आसान समन्वय को सक्षम करके नियामक प्रक्रिया में तेजी लाना है। यह न्यूनतम सरकारी हस्तक्षेप और अधिकतम शासन सुनिश्चित करने के लिए आईटी प्रणालियों का लाभ उठाता है।

पशु महामारी तैयारी पहल (ए पी पी आई):

NANDI, पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD) की पशु महामारी तैयारी पहल (APPI) का एक अहम हिस्सा है। यह पशु स्वास्थ्य को बढ़ाने और पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने वाले हस्तक्षेपों को लागू करने की मंत्रालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

लिथियम आयन बैटरी

सन्दर्भ: हाल ही में, प्रसिद्ध वैज्ञानिक जॉन बी गुडइनफ का 100 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वह लिथियम-आयन बैटरी के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए रसायन विज्ञान में 2019 नोबेल पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं में से एक थे।

लिथियम-आयन बैटरी क्या है?

लिथियम-आयन बैटरी एक प्रकार की पुनः रिचार्ज योग्य बैटरी है जो इलेक्ट्रिक चार्ज के प्राथमिक वाहक के रूप में लिथियम आयनों का उपयोग करती है।

इसमें एक या अधिक इलेक्ट्रोकेमिकल सेल होते हैं और इसका व्यापक रूप से वहनीय इलेक्ट्रॉनिक्स, जैसे स्मार्टफोन, लैपटॉप, टैबलेट और इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए शक्ति स्रोत के रूप में उपयोग किया जाता है।

संघटन:

लिथियम-आयन बैटरी में आम तौर पर एक कैथोड (पॉजिटिव इलेक्ट्रोड), एक एनोड (नकारात्मक इलेक्ट्रोड), एक विभाजक और एक इलेक्ट्रोलाइट सहित कई प्रमुख घटक शामिल होते हैं।

अनुप्रयोग:

लिथियम-आयन बैटरियों का व्यापक रूप से विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग किया जाता है, जिनमें वहनीय इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी, ऊर्जा भंडारण प्रणाली और चिकित्सा उपकरण) इत्यादि शामिल हैं।

लिथियम-आयन बैटरी और लिथियम पॉलिमर बैटरी के बीच अंतर:

लिथियम-आयन बैटरी में आमतौर पर एक तरल इलेक्ट्रोलाइट होता है, जबकि लिथियम पॉलिमर बैटरी एक ठोस या जेल जैसे पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट का उपयोग करती है। यह अंतर बैटरी को आकार देने में विभिन्न रूप कारकों और लचीलेपन की अनुमति देता है।

लिथियम पॉलिमर बैटरियां अक्सर पतली और हल्की होती हैं, जो उन्हें स्थान की कमी वाले उपकरणों के लिए उपयुक्त बनाती हैं।

हालांकि, लिथियम-आयन बैटरियाँ अपने उच्च ऊर्जा घनत्व और स्थापित विनिर्माण प्रक्रियाओं के कारण अधिकांश उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल वाहनों में अधिक उपयोग की जाती हैं।

समाचार में स्थान

बेल्जियम

सन्दर्भ :भारत और बेल्जियम ने हाल ही में एक पारस्परिक कानूनी सहायता संधि पर हस्ताक्षर किए हैं जो बेल्जियम के अधिकारियों को भारतीय अदालतों द्वारा जारी किए गए सर्च वारंट को पूरा करने और संदिग्धों को बुलाने में सक्षम बनाती है।

भौगोलिक स्थिति: बेल्जियम पश्चिमी यूरोप में स्थित एक संघीय राज्य है। यह उत्तरी सागर के किनारे स्थित है और फ्रांस, जर्मनी, लक्ज़मबर्ग और नीदरलैंड के साथ सीमा साझा करता है। बेल्जियम को तीन अलग-अलग क्षेत्रों में विभाजित किया गया है: फ़्लैंडर्स, वालोनिया और ब्रुसेल्स।

राजधानी और प्रमुख शहर: बेल्जियम की राजधानी ब्रुसेल्स है, जो यूरोपीय संघ का प्रशासनिक केंद्र भी है। अन्य प्रमुख शहरों में एंटवर्प, गेन्ट, चार्लेरोई और लीज शामिल हैं।

भाषा और सांस्कृतिक विविधता: बेल्जियम अपनी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता के लिए जाना जाता है। देश में तीन आधिकारिक भाषाएँ हैं: डच (फ्लेमिश), फ्रेंच और जर्मन। फ़्लैंडर्स के उत्तरी क्षेत्र में मुख्य रूप से डच, वालोनिया के दक्षिणी क्षेत्र में फ्रेंच और पूर्वी सीमा के साथ एक छोटे से क्षेत्र में जर्मन भाषा बोली जाती है।

आर्थिक महत्व: बेल्जियम की अर्थव्यवस्था अत्यधिक विकसित है और यह विनिर्माण, प्रौद्योगिकी और सेवाओं सहित अपने उन्नत उद्योगों के लिए जाना जाता है। यह यूरोज़ोन और विश्व व्यापार संगठन का सदस्य है।

अंतरराष्ट्रीय संगठन: विभिन्न यूरोपीय संघ संस्थानों की मेजबानी के अलावा, बेल्जियम नाटो (उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन) और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और थिंक टैंक का मुख्यालय